



भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
भारत मौसम विज्ञान विभाग



प्रेस विज्ञप्ति

तारीख: 18 अप्रैल, 2026

जारी करने का समय: 1400 घंटे

- विषय:** (i) इस सप्ताह भारत के पूर्वी तट पर गर्म और उमस भरा मौसम रहने की संभावना है। पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 18 से 20 अप्रैल तक, पूर्वी राजस्थान और ओडिशा में 19 से 22 अप्रैल तक, पश्चिमी राजस्थान में 21 और 22 अप्रैल को, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 18 और 19 अप्रैल को, और झारखंड में 20 और 21 अप्रैल को लू चलने की प्रबल संभावना है।
- (ii) अरुणाचल प्रदेश में 19 से 21 अप्रैल तक, असम और मेघालय में 18, 19 और 21 अप्रैल को, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18 और 19 अप्रैल को बिजली गिरने और गरज के साथ भारी वर्षा होने की प्रबल संभावना है।

आज, 18 अप्रैल, 2026 को सुबह 0830 बजे (भारतीय समयानुसार) तक पिछले 24 घंटों के दौरान दर्ज मौसम:

- ❖ ओडिशा, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में कुछ स्थानों पर 50-70 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाओं के साथ गरज-चमक वाला तूफान आया; वहीं असम, मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा, जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद, हिमाचल प्रदेश, पश्चिमी मध्य प्रदेश, कोंकण और गोवा, महाराष्ट्र और गुजरात में कुछ स्थानों पर 30-50 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।
- ❖ हरियाणा, मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की सूचना मिली है।

पिछले 24 घंटों में तापमान की स्थिति (सुबह 0830 बजे IST तक):

- ❖ विदर्भ के अधिकांश भागों में, मध्य प्रदेश के कुछ भागों में, राजस्थान, तेलंगाना, छत्तीसगढ़ और उत्तर प्रदेश के कुछ स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान 40°C से 44°C के बीच रहा। पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र और उत्तरपूर्वी भारत को छोड़कर देश के शेष भागों में यह तापमान 36°C से 40°C के बीच रहा। बांदा (उत्तर प्रदेश) में अधिकतम तापमान 45.4°C दर्ज किया गया।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश के अधिकांश स्थानों पर, असम, मेघालय, पूर्वी मध्य प्रदेश, गुजरात क्षेत्र और छत्तीसगढ़ के कुछ स्थानों पर अधिकतम दैनिक तापमान सामान्य से काफी अधिक (> 5.1°C) रहा। पश्चिमी राजस्थान, पूर्वी राजस्थान, पश्चिमी मध्य प्रदेश और रायलसीमा के कुछ स्थानों पर भी तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1°C से 5.0°C) रहा। उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, बिहार, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली, सौराष्ट्र और कच्छ, मध्य महाराष्ट्र, विदर्भ, तेलंगाना, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल तथा केरल और माहे में छिटपुट स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा। उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में कई स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा; मराठवाड़ा और दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक में अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा; नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में कुछ स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) तापमान रहेगा; गंगा के मैदानी पश्चिम बंगाल, ओडिशा, झारखंड, कोंकण और गोवा तथा

तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में छिटपुट स्थानों पर सामान्य से अधिक (-1.5°C से 1.5°C) तापमान रहेगा। अंडमान और निकोबार द्वीप समूह और हिमाचल प्रदेश में कई स्थानों पर सामान्य से कम (-1.5°C से 1.5°C) तापमान रहेगा; पंजाब, तटीय कर्नाटक और लक्षद्वीप में अधिकांश स्थानों पर सामान्य से कम (-1.5°C से 1.5°C) तापमान रहेगा।

- ❖ हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, पंजाब, हरियाणा, असम और मेघालय, मणिपुर, नागालैंड, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल में न्यूनतम/रात्रि का तापमान 13-19 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। देश के मैदानी इलाकों के शेष भागों में यह 20-26 डिग्री सेल्सियस के बीच था। आज भारत के मैदानी क्षेत्रों में सबसे कम न्यूनतम तापमान 18.3 डिग्री सेल्सियस अमृतसर (पंजाब) में दर्ज किया गया।
- ❖ पश्चिमी राजस्थान, छत्तीसगढ़, ओडिशा, केरल और माहे में न्यूनतम/रात्रि का तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) रहा; हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली, पूर्वी मध्य प्रदेश, सौराष्ट्र और कच्छ में सामान्य से कम (-3.0 डिग्री सेल्सियस से -1.6 डिग्री सेल्सियस) रहा और देश के शेष भागों में सामान्य के आसपास रहा।

मौसम प्रणालियां, पूर्वानुमान एवं चेतावनियां (अनुलग्नक I एवं II देखें):

- ❖ मध्य क्षोभमंडलीय पछुआ हवाओं में एक नई पश्चिमी विक्षोभ गर्त के रूप में, जिसका अक्ष मध्य क्षोभमंडलीय स्तर पर है, लगभग 58° पूर्व देशांतर के अनुदिश अक्षांश 25° उत्तर की ओर स्थित है।
- ❖ यह पश्चिमी विक्षोभ अब चक्रवाती परिसंचरण के रूप में दिखाई दे रहा है और निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तरी पाकिस्तान और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर मध्य राजस्थान और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर हरियाणा और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर पूर्वी उत्तर प्रदेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तरपूर्वी बांग्लादेश और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ एक ऊपरी वायु चक्रवाती परिसंचरण निचले क्षोभमंडलीय स्तर पर उत्तरी तटीय ओडिशा और उसके आसपास के क्षेत्रों पर स्थित है।
- ❖ महाराष्ट्र के आंतरिक भाग और उससे सटे तेलंगाना तथा उत्तरी आंतरिक कर्नाटक के ऊपर निचले और मध्य क्षोभमंडलीय स्तरों के बीच प्रतिचक्रवाती परिसंचरण।

उपरोक्त प्रणालियों के प्रभाव से संभावित मौसम:

उत्तर-पश्चिम भारत:

- ❖ 18 और 19 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी की संभावना है। हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड में 18 अप्रैल को छिटपुट वर्षा की संभावना है।
- ❖ 18 अप्रैल को पंजाब में गरज, बिजली और तेज़ हवाओं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) के साथ हल्की से मध्यम वर्षा/बर्फबारी की संभावना है।
- ❖ 18 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पूर्वोत्तर भारत:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 18 से 21 अप्रैल के दौरान, असम और मेघालय में 18 से 22 अप्रैल के दौरान, और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 18 से 20 अप्रैल के दौरान छिटपुट से लेकर मध्यम स्तर की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। अरुणाचल प्रदेश में 18 और 22 अप्रैल को, और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में 21 और 22 अप्रैल को बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 19 से 21 अप्रैल के दौरान, और असम और मेघालय में 18, 20 और 21 अप्रैल को छिटपुट भारी बारिश की संभावना है।

पूर्वी भारत:

- ❖ ओडिशा में 18 से 22 अप्रैल के दौरान, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18 से 21 अप्रैल के दौरान छिटपुट हल्की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। 18 और 19 अप्रैल को गंगा के मैदानी पश्चिमी बंगाल और बिहार में भारी बारिश की संभावना है।
- ❖ 18 और 19 अप्रैल को उप-हिमालयी पश्चिमी बंगाल और सिक्किम में छिटपुट भारी बारिश की संभावना है।

मध्य भारत:

- ❖ विदर्भ में 20 और 21 अप्रैल को, छत्तीसगढ़ में 18, 20 और 21 अप्रैल को, छिटपुट हल्की बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएँ (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। पश्चिमी मध्य प्रदेश में 19 और 20 अप्रैल को बिजली गिरने की संभावना है।

दक्षिणी प्रायद्वीपीय भारत:

- ❖ आंतरिक कर्नाटक में 18 से 22 अप्रैल के दौरान छिटपुट हल्की से मध्यम बारिश, गरज, बिजली और तेज हवाएँ (30-50 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है। तेलंगाना, तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 18 से 22 अप्रैल के दौरान, रायलसीमा, केरल और माहे में 20 से 22 अप्रैल के दौरान बिजली गिरने की संभावना है।
- ❖ उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में 18 से 21 अप्रैल के दौरान छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है।

पश्चिमी भारत:

- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 18 से 22 अप्रैल के दौरान, तथा कोंकण और गोवा में 20 और 21 अप्रैल को, छिटपुट रूप से हल्की से मध्यम वर्षा, गरज, बिजली और तेज हवाएं (30-40 किमी प्रति घंटा की गति तक) चलने की संभावना है।
- ❖ मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में 18 अप्रैल को छिटपुट रूप से ओलावृष्टि की संभावना है।

अधिकतम तापमान का पूर्वानुमान:

- ❖ 18 से 24 अप्रैल के दौरान पंजाब, हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली में अधिकतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, जबकि उत्तर-पश्चिम भारत के शेष भागों में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 18 से 21 अप्रैल के दौरान पूर्वी भारत में अधिकतम तापमान में 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक वृद्धि होने की संभावना है, और उसके बाद कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।
- ❖ 18 और 19 अप्रैल को महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होने की संभावना है, जबकि 20 से 24 अप्रैल के दौरान इसमें 2-3 डिग्री सेल्सियस की क्रमिक गिरावट आएगी।
- ❖ देश के शेष भागों में अधिकतम तापमान में कोई महत्वपूर्ण परिवर्तन नहीं होगा।

ऊष्ण लहर, गर्म और आर्द्र मौसम, गरम रात की चेतावनी:

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों में 18 से 20 अप्रैल तक, पूर्वी राजस्थान और ओडिशा में 19 से 22 अप्रैल तक, पश्चिमी राजस्थान में 21 और 22 अप्रैल को, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 18 और 19 अप्रैल को, और झारखंड में 20 और 21 अप्रैल को लू चलने की प्रबल संभावना है।
- ❖ तमिलनाडु, पुडुचेरी, कराईकल और तटीय कर्नाटक के कुछ इलाकों में 18 से 22 अप्रैल तक, केरल और माहे में 18 और 19 अप्रैल को, और तटीय आंध्र प्रदेश और यनम में 18 से 20 अप्रैल तक गर्म और उमस भरा मौसम रहने की प्रबल संभावना है।
- ❖ छत्तीसगढ़ के कुछ इलाकों में 18 और 19 अप्रैल को, झारखंड में 18 से 21 अप्रैल तक, और ओडिशा में 18 से 22 अप्रैल तक गर्म रातें रहने की प्रबल संभावना है।

दिल्ली/एनसीआर में मौसम स्थिति एवं पूर्वानुमान: 18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 (अनुलग्नक III देखें)

अधिक जानकारी के लिए, कृपया राष्ट्रीय मौसम बुलेटिन देखें:

https://mausam.imd.gov.in/responsive/all_india_forecast_bulletin.php

जिला-वार चेतावनियों के लिए: <https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

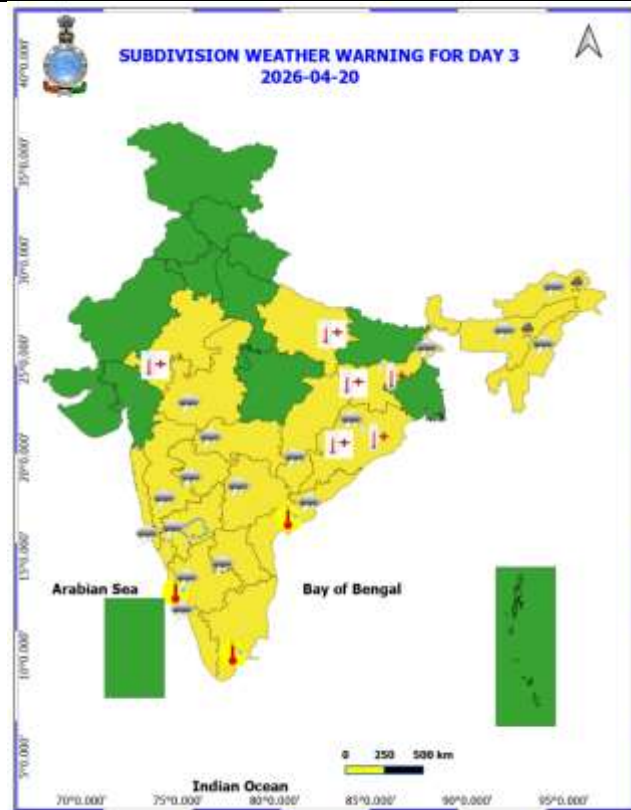
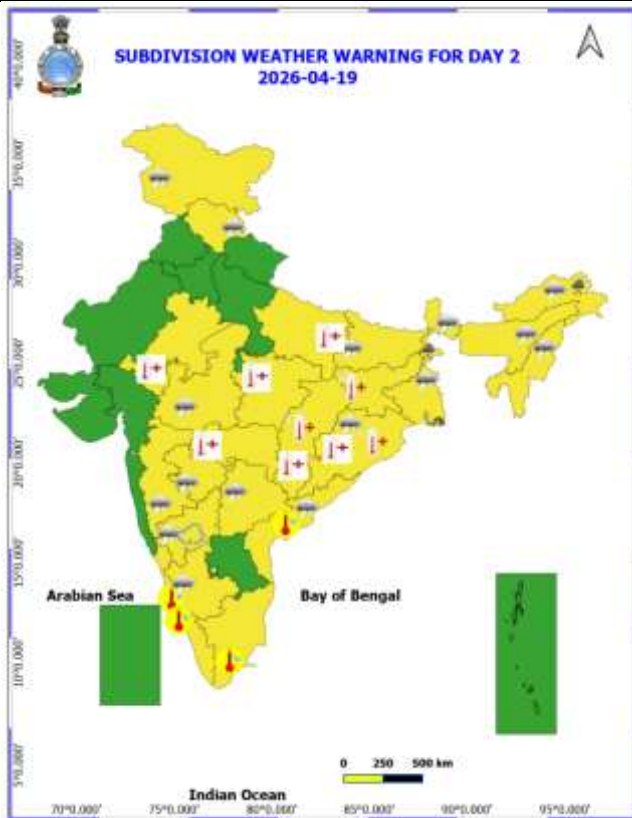
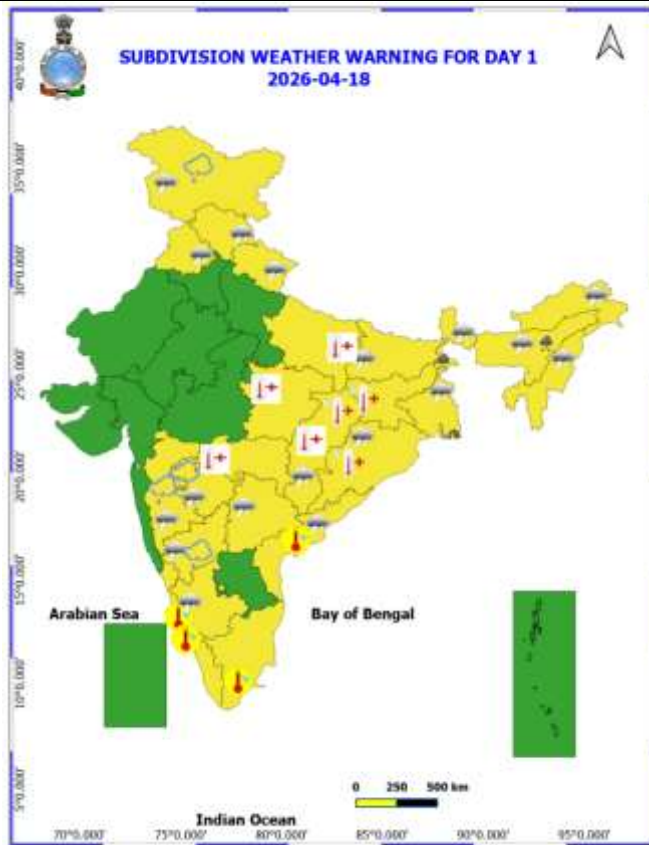
मछुआरों की चेतावनी के लिए: <https://rsmcnewdelhi.imd.gov.in/fishermen-warning.php>

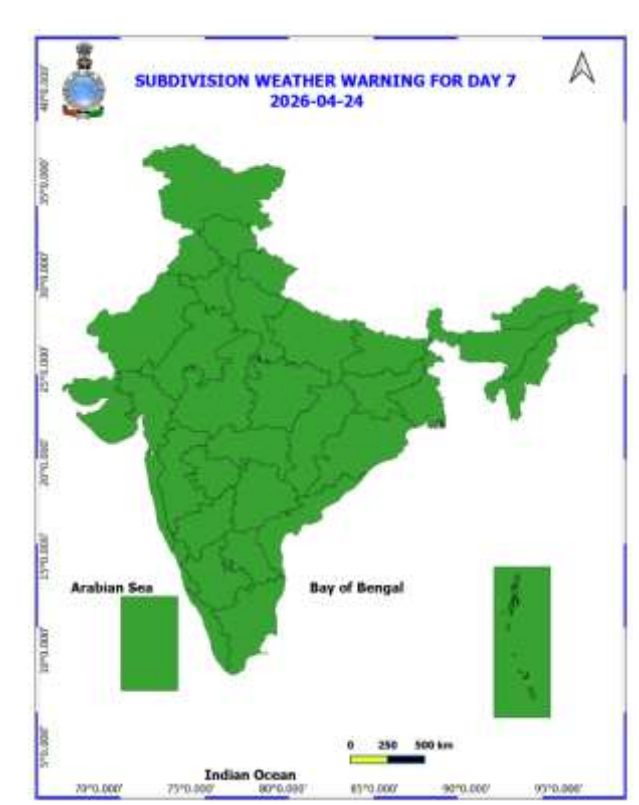
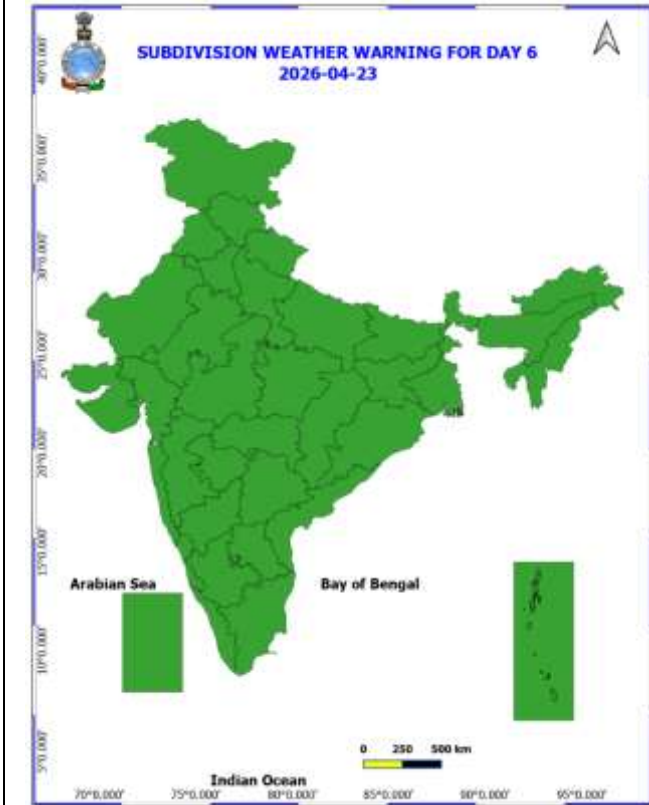
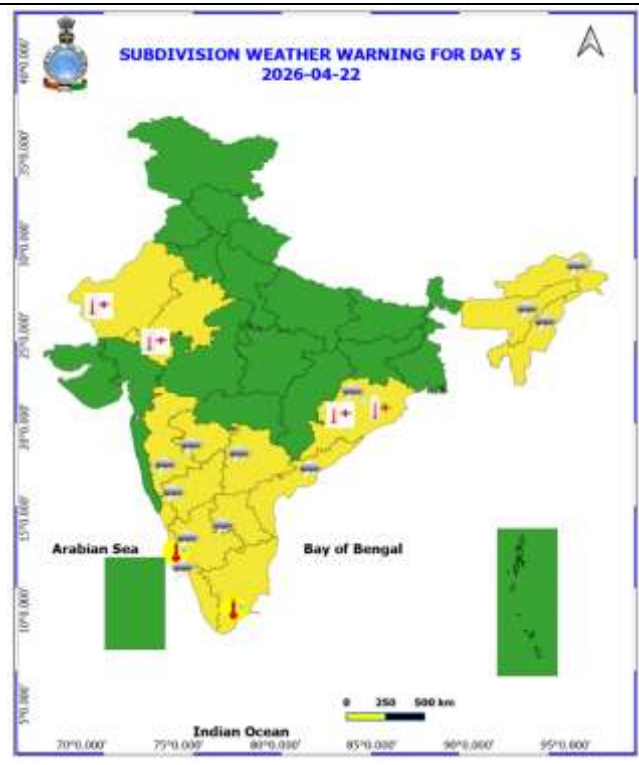
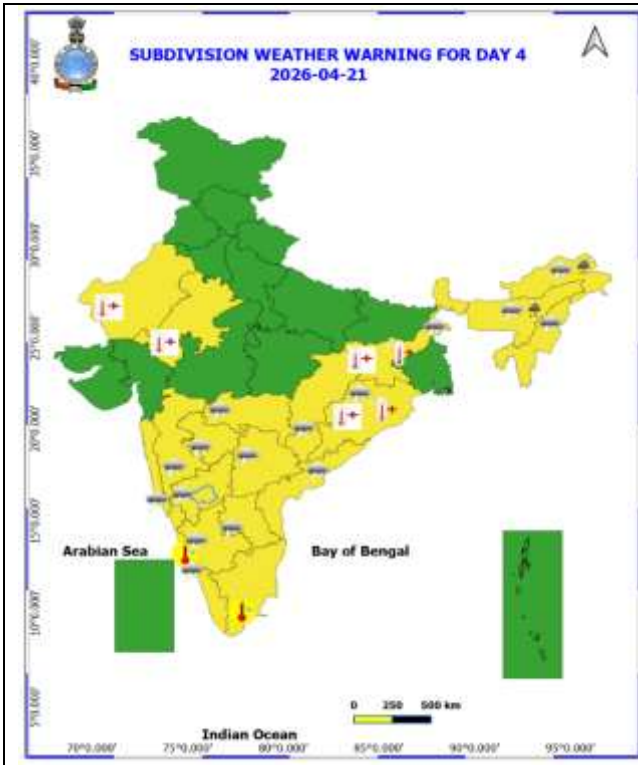
पिछले 24 घंटों से (भारतीय समयानुसार सुबह 8:30 बजे तक) तेज हवाएं चल रही हैं (अधिकतम गति किमी प्रति घंटा में):

- ❖ दिल्ली: पालम-74
- ❖ असम और मेघालय: मानस 43, उम्पनई 35, जोवाई 39
- ❖ नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा: मोरेह 43, जिरीबाम 37, नलकाटा (धलाई) 39 कैलाशहर (उनाकोटी) 35
- ❖ ओडिशा: बेनाकुडा 54
- ❖ जम्मू-कश्मीर: कठुआ_केवीके 39, चाथा 35, गुलमर्ग 31, जम्मू 30
- ❖ हिमाचल प्रदेश: सेओबाग 35
- ❖ पंजाब: पठानकोट 52, फरीदकोट 50
- ❖ हरियाणा: गुड़गांव (नॉर्थ कैप) 54, जिंद 54, रोहतक 44
- ❖ पश्चिमी उत्तर प्रदेश: जीबी नगर 68, अमरोहा और बुलन्दशहर 50-50, मेरठ 43
- ❖ पश्चिमी मध्य प्रदेश: अशोकनगर 31
- ❖ पूर्वी मध्य प्रदेश: सागर 30
- ❖ कोंकण और गोवा: कर्जत (रायगढ़) 41
- ❖ मध्य महाराष्ट्र: राजगुरुनगर (पुणे) 33
- ❖ मराठावाड़ा: तुल्गा (धाराशिव) 28
- ❖ गुजरात क्षेत्र: अर्नेज (अहमदाबाद) 33
- ❖ सौराष्ट्र एवं कच्छ: खावड़ा (कच्छ) 48

Table-1								
7 Days Rainfall Forecast								
S.No.	Subdivision	18- Apr	19- Apr	20- Apr	21- Apr	22- Apr	23- Apr	24- Apr
		Day 1	Day 2	Day 3	Day 4	Day 5	Day 6	Day 7
1	ANDAMAN & NICOBAR ISLANDS	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
2	ARUNACHAL PRADESH	SCT	FWS	WS	WS	FWS	SCT	SCT
3	ASSAM & MEHGHALAYA	FWS	FWS	WS	WS	WS	SCT	FWS
4	NAGALAND, MANIPUR, MIZORAM AND TRIPURA	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	ISOL	SCT
5	SUB HIMALAYAN WEST BENGAL & SIKKIM	FWS	SCT	SCT	ISOL	SCT	SCT	SCT
6	GANGETIC WEST BENGAL	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
7	ODISHA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
8	JHARKHAND	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
9	BIHAR	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
10	EAST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
11	WEST UTTAR PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
12	UTTARAKHAND	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
13	HARYANA, CHANDIGARH & DELHI	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	ISOL
14	PUNJAB	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
15	HIMACHAL PRADESH	ISOL	SCT	ISOL	DRY	DRY	DRY	ISOL
16	JAMMU AND KASHMIR AND LADAKH	WS	FWS	ISOL	DRY	DRY	ISOL	ISOL
17	WEST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
18	EAST RAJASTHAN	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
19	WEST MADHYA PRADESH	DRY	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY	DRY
20	EAST MADHYA PRADESH	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY
21	GUJRAT REGION	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
22	SAURASHTRA & KUTCH	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY	DRY
23	KONKAN & GOA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
24	MADHYA MAHARASHTRA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
25	MARATHWADA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
26	VIDARBHA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
27	CHHATTISGARH	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	DRY	DRY
28	COASTAL ANDHRA PRADESH	DRY	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
29	TELANGANA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
30	RAYALASEEMA	DRY	DRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
31	TAMILNADU & PUDUCHERRY	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
32	COSTAL KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
33	NORTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
34	SOUTH INTERIOR KARNATAKA	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
35	KERALA AND MAHE	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL	ISOL
36	LAKSHADWEEP	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY	DRY

- जैसे-जैसे लीड पीरियड बढ़ता है पूर्वानुमान सटीकता कम हो जाती है।





- नारंगी और लाल रंग की चेतावनियों के आधार पर कार्रवाई की जा सकती है।
- असुरक्षित क्षेत्रों में भारी वर्षा की चेतावनी के लिए शहरी और पहाड़ी क्षेत्रों में कार्रवाई शुरू की जा सकती है।
- जैसे-जैसे समय बढ़ता है, पूर्वानुमान की सटीकता कम होती जाती है।

अगले पाँच दिनों के लिए जिलेवार विस्तृत बहु-जोखिम मौसम चेतावनी यहाँ उपलब्ध है

<https://mausam.imd.gov.in/responsive/districtWiseWarningGIS.php>

18 अप्रैल से 21 अप्रैल 2026 के दौरान दिल्ली/NCR का मौसम पूर्वानुमान

बीते समय का मौसम:

पिछले 24 घंटों में दिल्ली में अधिकतम तापमान में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है और न्यूनतम तापमान में 3-5 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट आई है। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में न्यूनतम तापमान 20-21 डिग्री सेल्सियस और अधिकतम तापमान 39-41 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से कम (-1.6 डिग्री सेल्सियस से -3.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य (-1.5 डिग्री सेल्सियस से 1.5 डिग्री सेल्सियस) रहा। कुछ स्थानों पर अधिकतम तापमान सामान्य से काफी अधिक (3.1 डिग्री सेल्सियस से 5.0 डिग्री सेल्सियस) और शेष स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6 डिग्री सेल्सियस से 3.0 डिग्री सेल्सियस) रहा। पिछले 24 घंटों में दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर मध्यम से हल्की बारिश हुई। पिछले 24 घंटों में दिल्ली में आंशिक रूप से बादल छाए रहे और सतह पर हवा की गति 20 किमी प्रति घंटा तक रही, जो दक्षिण-पूर्व दिशा से 72 किमी प्रति घंटा तक पहुंच गई। आज सुबह के समय क्षेत्र में पश्चिम दिशा से चलने वाली हवाओं की गति 15 किमी प्रति घंटा तक रहने की संभावना है और आसमान मुख्यतः साफ रहेगा।

मौसम पूर्वानुमान:

18.04.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, दोपहर से शाम तक आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं और गरज के साथ बारिश की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान 37°C से 39°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति 15 किमी प्रति घंटा तक पहुंचने की संभावना है। शाम और रात के दौरान हवा की गति धीरे-धीरे कम होकर उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

19.04.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, आंशिक रूप से बादल छा सकते हैं। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 22°C से 24°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली में अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा और अधिकतम तापमान भी अधिकांश स्थानों पर सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी और सुबह के समय इसकी गति 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा से कम हो जाएगी। शाम और रात के समय हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

20.04.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा, बाद में आंशिक रूप से बादल छा जाएंगे। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 38°C से 40°C और 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतह पर चलने वाली हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति सुबह के समय 10 किमी प्रति घंटा तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति बढ़कर 15 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी। शाम और रात के समय उत्तर-पश्चिम दिशा से चलने वाली हवा की गति घटकर 12 किमी प्रति घंटा तक हो जाएगी।

21.04.2026: आसमान मुख्यतः साफ रहेगा। दिल्ली में अधिकतम और न्यूनतम तापमान क्रमशः 39°C से 41°C और 20°C से 22°C के बीच रहने की संभावना है। दिल्ली के अधिकांश स्थानों पर न्यूनतम तापमान सामान्य के आसपास (-1.5°C से 1.5°C) और अधिकतम तापमान सामान्य से अधिक (1.6°C से 3.0°C) रहेगा। सतही हवा मुख्य रूप से उत्तर-पश्चिम दिशा से चलेगी, जिसकी गति सुबह के समय 15 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है। दोपहर के समय सतही हवा की गति बढ़कर उत्तर-पश्चिम दिशा से 20 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी। शाम और रात के समय सतही हवा की गति घटकर उत्तर-पश्चिम दिशा से 15 किमी प्रति घंटे तक हो जाएगी।

सामान्य से अधिक तापमान के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:

- ❖ चेतावनी: लू चलने की कोई आशंका नहीं है; हालांकि, तापमान सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। स्वास्थ्य संबंधी मध्यम जोखिम हो सकते हैं, विशेष रूप से शिशुओं, बुजुर्गों और गंभीर बीमारियों से ग्रस्त व्यक्तियों जैसे संवेदनशील समूहों के लिए।

- ❖ सलाह: लंबे समय तक गर्मी में रहने से बचें। हल्के, हल्के रंग के और ढीले सूती कपड़े पहनें। बाहर निकलते समय अपने सिर को कपड़े, टोपी या छाते से ढकें।
- ❖ बिजली/तेज हवाओं और ओलावृष्टि के साथ छिटपुट गरज के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय:
- ❖ 18 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुजफ्फरबाद में छिटपुट ओलावृष्टि की संभावना है; 18 से 21 अप्रैल के दौरान उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में; 18 अप्रैल को मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में।

संभावित प्रभाव:

- केले और पपीते के पेड़ों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- शाखाएँ टूटने से बिजली और संचार लाइनों को मामूली से लेकर गंभीर नुकसान।
- ओलावृष्टि से बागानों, बागवानी और खड़ी फसलों को नुकसान हो सकता है।
- खुले स्थानों पर ओलों से लोगों और मवेशियों को चोट लग सकती है।
- तेज हवाओं के कारण कमजोर ढाँचों को आंशिक नुकसान।
- कच्चे मकानों/दीवारों और झोपड़ियों को मामूली नुकसान।

सुझाए गए उपाय:

- लोगों को सलाह दी जाती है कि वे मौसम की स्थिति पर नजर रखें और आवश्यकतानुसार सुरक्षित स्थानों पर जाने के लिए तैयार रहें।
- घर के अंदर रहें, खिड़कियाँ और दरवाजे बंद रखें और संभव हो तो यात्रा करने से बचें।
- सुरक्षित आश्रय लें; पेड़ों के नीचे शरण न लें।
- कंक्रीट के फर्श पर न लेटें और न ही कंक्रीट की दीवारों से टेक लगाकर खड़े हों।
- बिजली/इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का प्लग निकाल दें।
- तुरंत पानी से बाहर निकल जाएँ।
- बिजली का संचालन करने वाली सभी वस्तुओं से दूर रहें।

भारी वर्षा के कारण सुझाए गए प्रभाव और कार्रवाई:

- ❖ अरुणाचल प्रदेश में 19 से 21 अप्रैल के दौरान, असम और मेघालय में 18, 20 और 21 अप्रैल को, और उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम में 18 और 19 अप्रैल को अलग-अलग स्थानों पर भारी वर्षा होने की संभावना है।

अपेक्षित प्रभाव:

- निचले इलाकों और नदी तटों के कई हिस्सों में जलभराव/बाढ़।
- नगरपालिका सेवाओं (पानी, बिजली आदि) में स्थानीय और अल्पकालिक व्यवधान।
- यातायात प्रवाह में प्रमुख व्यवधान। प्रमुख सड़कें/स्थानीय ट्रेनें प्रभावित।
- बहुत पुरानी इमारतों और अनुरक्षित न की गई संरचनाओं के लिए खतरा, पेड़ों के गिरने की संभावना।
- निचले जल पुलों को पार करने वाली सड़कों का बंद होना।

सुझाई गई कार्रवाई:

- यातायात को प्रभावी ढंग से नियंत्रित किया जाए।
- प्रभावित क्षेत्रों में लोगों को अपनी आवाजाही सीमित करने की सलाह दी जाती है।

- ❖ पूर्वी उत्तर प्रदेश में 18 से 20 अप्रैल तक, पूर्वी राजस्थान और ओडिशा में 19 से 22 अप्रैल तक, पश्चिमी राजस्थान में 21 और 22 अप्रैल को, पूर्वी मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और विदर्भ में 18 और 19 अप्रैल को, और झारखंड में 20 और 21 अप्रैल को लू की स्थिति के कारण संभावित प्रभाव और सुझाए गए उपाय।

ओलावृष्टि के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- मध्य महाराष्ट्र, मराठवाड़ा और उत्तरी आंतरिक कर्नाटक में जलभराव को रोकने के लिए प्रभावी क्षेत्र जल निकासी सुनिश्चित करें। पके फलों की तुड़ाई यथाशीघ्र करें। काटी गई उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें।

भारी वर्षा के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल में, धान, मक्का, सरसों और आलू की कटाई पूरी करें। खड़ी फसलों में जल निकासी हेतु समुचित व्यवस्था बनाए रखें।
- अरुणाचल प्रदेश में, पत्ता गोभी, मटर, सरसों, देर से पकने वाली धान की किस्मों और आलू की कटाई/खुदाई करें और उपज को सुरक्षित स्थानों पर रखें। धान, मक्का, आदि खड़ी फसलों, सब्जियों और बागानों के खेतों में उचित जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखें।
- असम तथा मेघालय में खड़ी फसलों के खेतों से अतिरिक्त वर्षा जल निकालने के लिए आवश्यक व्यवस्था करें।

उच्च तापमान/ऊष्ण लहर के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- महाराष्ट्र - कोंकण में मूंग, सब्जियों तथा नये रोपे गये सुपारी तथा नारियल की सिंचाई करें। मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा में, यांत्रिक क्षति को रोकने के लिए फलों के बगीचों और फलदार सब्जियों में हेल नेट या हेल कैप का उपयोग करें। विदर्भ में, गर्मी के मौसम में मूंग, मूंगफली, प्याज, सूरजमुखी, तिल, चारा फसलों, बगीचों और सब्जियों में दिन के ठंडे समय (सुबह/शाम) में आवश्यकतानुसार हल्की और बार-बार सिंचाई करें। वाष्पीकरण को कम करने के लिए सब्जी और बगीचे की फसलों में पुआल बिछाकर मल्लिंग करें, और नई बोई गई फसलों के लिए शेड नेट लगाएं।
- गुजरात - ग्वार, खीरा, तोरई, लौकी, और करेला जैसी फसलों में सुबह या शाम के समय हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मूंगफली में फूल आने और गांठ बनने की अवस्था पर सिंचाई करें।
- ओडिशा - बोरो धान, ग्रीष्मकालीन मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों में हल्की सिंचाई करें। आम और काजू में मृदा में पर्याप्त नमी बनाए रखें।
- मध्य प्रदेश - मक्का, मूंग, उड़द, मूंगफली और सब्जियों की फसलों को आवश्यकतानुसार नियमित रूप से सिंचाई करें।
- छत्तीसगढ़ - रबी मक्का, केला और पपीते की फसलों में निराई-गुड़ाई के बाद हल्की सिंचाई करें। गेहूं और चने की कटाई पूरी करें और उपज का सुरक्षित भंडारण सुनिश्चित करें।
- झारखंड - खड़ी फसलों में हल्की और बार-बार सिंचाई करें। मिट्टी की नमी के नुकसान को कम करने के लिए फसल के अवशेषों, पुआल या पॉलिथिन से मल्लिंग करें। फलों के पौधों को उच्च तापमान से बचाने के लिए अस्थायी छायादान का प्रयोग करें।
- आंध्र प्रदेश - खड़ी फसलों जैसे धान, रबी मक्का, ज्वार, चना, मूंगफली, तिल, गन्ना, सब्जियों और फलों के बागानों में पर्याप्त नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें।
- तेलंगाना - आम के बागानों और सब्जियों की आवश्यकतानुसार सिंचाई करें।
- कर्नाटक - गन्ना, तिल, मूंग, उड़द, सुपारी, सब्जियां और नर्सरी जैसी खड़ी फसलों में सुरक्षात्मक सिंचाई करें।

- जिन क्षेत्रों में गर्म और आर्द्र मौसम की स्थिति है, जैसे **तमिलनाडु, केरल, गांगेय पश्चिमी बंगाल, तटीय कर्नाटक और तटीय आंध्र प्रदेश और रायलसीमा**, वहां ग्रीष्मकालीन फसलों और सब्जियों में मिट्टी की नमी बनाए रखने के लिए हल्की सिंचाई करें। खड़ी फसलों में मिट्टी की नमी को संरक्षित करने के लिए मल्लिंग का प्रयोग करें।

तूफान / तेज हवाओं के संभावित प्रभाव के लिए कृषि-मौसम संबंधी परामर्श

- कटी हुई फसल को सुरक्षित स्थानों पर ले जाएं या खेतों में ही तिरपाल से ढक दें। कटी हुई फसलों को ठीक से बांधकर ढक दें ताकि तेज हवाओं के कारण उनके खिसकने का खतरा कम हो सके।
- बागवानी फसलों, सब्जियों और फलों के नए पौधों व फल देने वाले पौधों को तेज हवाओं के कारण गिरने से बचाने के लिए सहारा प्रदान करें।

पशुपालन / कुक्कुट पालन

- भारी वर्षा के दौरान पशुओं को शेड के अंदर रखें और उन्हें संतुलित आहार दें।
- चारे और पशु आहार को खराब होने से बचाने के लिए सुरक्षित स्थान पर रखें।
- तालाबों के चारों ओर जाली सहित उचित निकास की व्यवस्था करें ताकि अधिक जल भराव की स्थिति में मछलियां बाहर न निकलें।
- उच्च तापमान और ऊष्ण लहर वाले क्षेत्रों में पशुओं को स्वच्छ, साफ और पर्याप्त मात्रा में पीने का पानी उपलब्ध कराएं तथा पोल्ट्री शेड की छत को घास से ढकें ताकि प्रतिकूल प्रभाव को कम किया जा सके।

किंवदंतियाँ और संक्षिप्त रूप:

भारी बारिश: 64.5-115.5mm; बहुत भारी बारिश: 115.6-204.4mm; अत्यधिक भारी बारिश: >204.4mm.

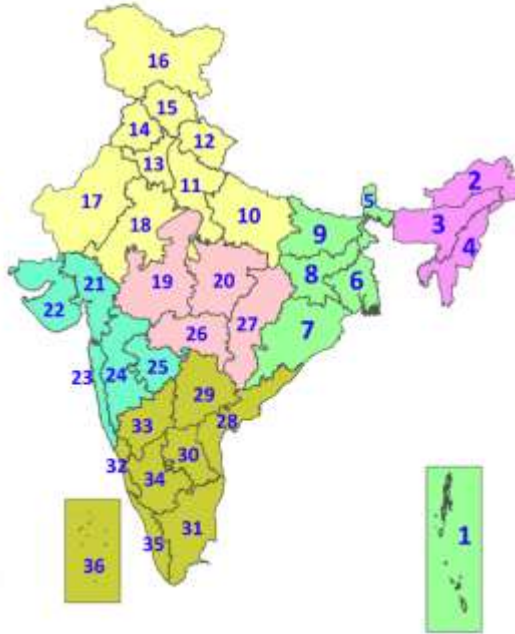
Obsy: वेधशाला; स्वचालित मौसम स्टेशन; ARG: स्वचालित वर्षा गेज; dist: जिला; NH: राष्ट्रीय राजमार्ग; KVK: कृषि विज्ञान केंद्र; DVC: दामोदर घाटी निगम; PTO: अंशकालिक कार्यालय, Aero: हवाई अड्डा, IAF: भारतीय वायु सेना।

मौसम विज्ञान उप-मंडलों का क्षेत्रवार वर्गीकरण:

- उत्तर-पश्चिम भारत: पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र (जम्मू-कश्मीर-लद्दाख-गिलगित-बाल्टिस्तान-मुज़फ्फराबाद, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड); पंजाब, हरियाणा-चंडीगढ़-दिल्ली; पश्चिमी उत्तर प्रदेश, पूर्वी उत्तर प्रदेश, पश्चिमी राजस्थान और पूर्वी राजस्थान।
- मध्य भारत: पश्चिमी मध्य प्रदेश, पूर्वी मध्य प्रदेश, विदर्भ और छत्तीसगढ़।
- पूर्वी भारत: बिहार, झारखंड, उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम; गंगा पश्चिम बंगाल, ओडिशा और अंडमान और निकोबार द्वीप समूह।
- पूर्वोत्तर भारत: अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय और नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा।
- पश्चिमी भारत: गुजरात क्षेत्र, सौराष्ट्र और कच्छ, कोंकण और गोवा, मध्य महाराष्ट्र और मराठवाड़ा।
- दक्षिण भारत: तटीय आंध्र प्रदेश और यनम, तेलंगाना, रायलसीमा, तटीय कर्नाटक, उत्तरी आंतरिक कर्नाटक, दक्षिणी आंतरिक कर्नाटक, केरल और माहे, तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल और लक्षद्वीप।

LEGENDS

1. अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह
2. अरुणाचल प्रदेश
3. असम और मेघालय
4. नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा
5. उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम
6. गंगीय पश्चिम बंगाल
7. ओडिशा
8. झारखंड
9. बिहार
10. पूर्वी उत्तर प्रदेश
11. पश्चिम उत्तर प्रदेश
12. उत्तराखंड
13. हरियाणा, चंडीगढ़ और दिल्ली
14. पंजाब
15. हिमाचल प्रदेश
16. जम्मू और कश्मीर और लद्दाख
17. पश्चिम राजस्थान
18. पूर्वी राजस्थान
19. पश्चिम मध्य प्रदेश
20. पूर्वी मध्य प्रदेश
21. गुजरात
22. सौराष्ट्र
23. कोंकण और गोवा
24. मध्य महाराष्ट्र
25. मराठवाड़ा
26. विदर्भ
27. छत्तीसगढ़
28. तटीय आंध्र प्रदेश और यनम
29. तेलंगाना
30. रायलसेमा
31. तमिलनाडु, पुडुचेरी और कराईकल
32. तटीय कर्नाटक
33. आंतरिक उत्तरी कर्नाटक
34. आंतरिक दक्षिणी कर्नाटक
35. केरल और माहे
36. लक्षद्वीप



1. Andaman & Nicobar Islands
2. Arunachal Pradesh
3. Assam & Meghalaya
4. Nagaland, Manipur, Mizoram & Tripura
5. Sub-Himalayan West Bengal & Sikkim
6. Gangetic West Bengal
7. Odisha
8. Jharkhand
9. Bihar
10. East Uttar Pradesh
11. West Uttar Pradesh
12. Uttarakhand
13. Haryana, Chandigarh & Delhi
14. Punjab
15. Himachal Pradesh
16. Jammu & Kashmir and Ladakh
17. West Rajasthan
18. East Rajasthan
19. West Madhya Pradesh
20. East Madhya Pradesh
21. Gujarat
22. Saurashtra
23. Konkan & Goa
24. Madhya Maharashtra
25. Marathwada
26. Vidarbha
27. Chhattisgarh
28. Coastal Andhra Pradesh & Yanam
29. Telangana
30. Rayalaseema
31. Tamilnadu, Puducherry & Karaikal
32. Coastal Karnataka
33. North Interior Karnataka
34. South Interior Karnataka
35. Kerala & Mahe
36. Lakshadweep

SPATIAL DISTRIBUTION (% of Stations reporting)

% Stations	Category	% Stations	Category
76-100	Widespread (WS/Most Places)	26-50	Scattered (SCT/A Few Places)
51-75	Fairly Widespread (FWS/Many Places)	1-25	Isolated (ISOL)

- | | | |
|----------------------|----------------------|--------------|
| Fog | Heavy Snow | Cold Wave |
| Heavy Rain | Dust Storm | Cold Day |
| Very Heavy Rain | Heat Wave | Ground Frost |
| Extremely Heavy Rain | Warm Night | |
| Thunder & Lightning | Hot Day | |
| Hailstorm | Hot & Humid | |
| Dust Raising Winds | Strong Surface Winds | |

COLOUR CODED WARNING

- No Warning (No Action)
- Watch (Be Aware)
- Alert (Be Prepared To Take Action)
- Warning (Take Action)

Probabilistic Forecast

Terms	Probability of Occurrence (%)
Unlikely	< 25
Likely	25 - 50
Very Likely	50 - 75
Most Likely	> 75

DEFINITION/CRITERIA

Rain/ Snow *

Heavy: 64.5 to 115.5 mm/cm *
Very Heavy: 115.6 to 204.4 mm/cm*
Extremely Heavy: > 204.4 mm/cm *

Heat Wave

When maximum temperature of a station reaches $\geq 40^{\circ}\text{C}$ for plains and $\geq 30^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
(a) Based on Departure from normal
Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal 4.5°C to 6.4°C .
Severe Heat Wave: Maximum Temperature Departure from normal $\geq 6.5^{\circ}\text{C}$
(b). Based on Actual maximum temperature
Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 45^{\circ}\text{C}$.
Severe Heat Wave: When actual maximum temperature $\geq 47^{\circ}\text{C}$
(c). Criteria for heat wave for coastal stations
When maximum temperature departure is $> 4.5^{\circ}\text{C}$ from normal. Heat Wave may be described provided maximum temperature $\geq 37^{\circ}\text{C}$

Warm Night

When maximum temperature remains 40°C
Warm Night: When minimum temperature departure 4.5°C to 6.4°C .
Severe Warm Night: When minimum temperature departure $> 6.4^{\circ}\text{C}$.

Cold Wave

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions.
(a). Based on departure
Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Wave: Minimum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$
(b) Based on actual Minimum Temperature (for Plains only)
Cold Wave : When Minimum Temperature is $\leq 4.0^{\circ}\text{C}$
Severe Cold Wave: When Minimum Temperature is $\leq 2.0^{\circ}\text{C}$
(c) For Coastal Stations
When Minimum Temperature departure is $\leq -4.5^{\circ}\text{C}$ & actual Minimum Temperature is $\leq 15^{\circ}\text{C}$

Cold Day

When minimum temperature of a station $\leq 10^{\circ}\text{C}$ for plains and $\leq 0^{\circ}\text{C}$ for hilly regions
Based on departure
Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal -4.5°C to -6.4°C .
Severe Cold Day: Maximum Temperature Departure from normal $\leq -6.5^{\circ}\text{C}$

Fog

Phenomenon of small droplets suspended in air and the horizontal visibility $< 1\text{km}$
Moderate Fog: When the visibility between 500-200 metres
Dense Fog: when the visibility between 50- 200 metres
Very Dense Fog: when the visibility < 50 metres

Thunderstorm

Sudden electrical discharges manifested by a flash of light (Lightning) and a sharp rumbling sound (thunder)

Dust/Sand Storm

An ensemble of particles of dust or sand energetically lifted to great heights by a strong and turbulent wind.

Frost

Ice deposits on ground
Air temperature $\leq 4^{\circ}\text{C}$ (over Plains)

Squall

A strong wind that rises suddenly, lasts for atleast 1 minute.
Moderate: Wind speed 52-61 kmph
Severe: Wind speed 62-87 kmph
Very Severe: Wind speed > 87 kmph

Sea State

Effect of various waves in the sea over specific area
Rough to very rough: Wind speed 41-82 kmph (22-33 knots) & Wave height 2.5-6 metre
High to very high: Wind speed 63-117 kmph (34-63 knots) & Wave height 6-14 metre
Phenomenal: Wind speed > 117 kmph (> 63 knots) & Wave height > 14 metre

Cyclone

Cyclonic Storm: Wind speed 62-87 kmph (34-47 knots)
Severe Cyclonic Storm: Wind speed 88-117 kmph (48-63 knots)
Very Severe Cyclonic Storm: Wind speed 118-185 kmph (64 - 89 knots)
Extremely Severe Cyclonic Storm: Wind speed 166-220 kmph (90 -119 knots)
Super Cyclone Storm: Wind speed > 220 kmph (> 119 knots)

* Red colour warning does not mean "Red Alert", Red colour warning means "Take Action".
Forecast and Warning for any day is valid from 0830 hours IST of day till 0830 hours IST of next day.
For more details, kindly visit <https://mausam.imd.gov.in> or contact: 011-2434-4599
(Service to the Nation since 1875)